अजमेर में रेजीडेंट डॉक्टरों का दो घंटे कार्य बहिष्कार जारी, मरीज परेशान

बढ़ते मरीजों की संख्या को देखते हुए समाधान नहीं निकाला तो स्थिति और विकट हो सकती है

अजमेर, (कासं)। राज्य सरकार और रेजीडेंट डॉक्टरों के बीच हुई वार्ता विफल होने के बाद रेजीडेंट डॉक्टरों का छठे दिन शनिवार को भी दो घंटे का कार्य बहिष्कार जारी रहा, जिससे संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में आने वाले मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। तीन से चार घंटे लाइन में लगने के बाद मरीजों का नंबर आ रहा है। ओपीडी में लंबी कतारें लगी हुई है। वहीं विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भी अस्पताल का जायजा लेकर व्यवस्थाओं को जांचा और अस्पताल प्रबंधन को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के दिशा निर्देश दिए।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जेएलएन अस्पताल का दौरा कर चिकित्सा सुविधा बेहतर करने के निर्देश दिए।

- सरकार से वार्ता विफल, अस्पताल की व्यवस्था चरमराई, लंबी कतारों में लगे मरीज हो रहे परेशान
- विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अस्पताल का जायजा लिया

रेजीडेंट डॉक्टरों और राज्य सरकार के बीच हुई वार्ता विफल होने के साथ उत्पन्न हुई स्थिति इलाज के लिए अस्पताल आने वाले मरीजों की समस्याएं और बढ़ गई है। मौजूदा हालात और बढ़ते मरीजों की संख्या को देखते हुए जल्द ही कोई समाधान नहीं निकाला गया तो स्थिति और विकट हो सकती है। मरीजों ने प्रशासन से मांग की है कि वे जल्द से जल्द समस्या का समाधान निकाल कर आम जनता को राहत दी जाए।

मौसम परिवर्तन के साथ ही शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ गया है, खासकर डेंगू, मलेरिया, वायरल फीवर और सर्दी-खांसी के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी होने से अस्पताल की आउटडोर व्यवस्था भी चरमरा गई है। रेजीडेंट डॉक्टरों के कार्य बहिष्कार और मौसमी बीमारियों के बढ़ते प्रकोप के कारण अस्पताल में इलाज के लिए इलाज के लिए आने वाले मरीजों को घंटों तक लंबी लाइन में खड़ा होना पड़ रहा है। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए जेएलएन अस्पताल में पलंग भी कम पड़ने लगे हैं। अस्पताल के आउटडोर में प्रतिदिन एक हजार से अधिक मरीज इलाज के लिए आते हैं, लेकिन डॉक्टरों की अनुपलब्धता के कारण यहां आने वाले मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में अस्पताल की व्यवस्था पूरी तरक चरमरा गई है।

नया बाजार निवासी पंकज ने बताया कि वह अपने दादा के उपचार के लिए अस्पताल आया है। तीन घंटे कतार में लगने के बाद भी डॉक्टर के पास जाने का नंबर नहीं आ पा रहा है। अस्पताल में डॉक्टरों की कमी के कारण मरीजों की भीड़ अनियंत्रित हो रही है। सीनियर सिटीजन, गर्भवती महिलाएं और बच्चे भी लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करने को मजबूर हैं। कतार में खड़े मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि अस्पताल प्रबंधन की तरफ से कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। अस्पताल में न तो पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध है और न ही मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। मरीजों का आरोप है कि चिकित्सा सेवाओं में सुधार के लिए सरकार और डॉक्टरों के बीच वार्ता बार-बार विफल हो रही है, जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को संभाग के सबसे बड़े जेएलएन अस्पताल का जायजा लिया। देवनानी ने अस्पताल अधीक्षक के साथ वार्डों में भर्ती मरीजों से मुलाकात की और बातचीत कर परेशानी जानी। देवनानी ने अस्पताल प्रशासन को सफाई व्यवस्था और चिकित्सा सुविधा बेहतर करने के दिशा निर्देश दिए। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि जेएलएन अस्पताल का जायजा लिया है।

निर्दलीय ताकत दिखाने पर राजेंद्र भांबू को भाजपा से टिकट मिली

टिकट मिलने पर राजेंद्र भांबू का समर्थकों ने स्वागत किया।

झुंझुनूं, (निसं)। एक बार फिर भाजपा की टिकट ना मिलने पर निर्दलीय के तौर पर ताकत दिखाने का परिणाम सामने आया है और भाजपा ने गत चुनावों में बागी रहे राजेंद्र भांबू को अपना उम्मीदवार बनाया है। भाजपा ने ऐसा ही 2023 के आम चुनावों में किया था।

जानकारी के अनुसार 2018 में भाजपा से बबलू चौधरी टिकट मांग रहे थे, लेकिन भाजपा ने टिकट घोषणा से एक दिन पहले चिड़ावा पंचायत समिति के उप प्रधान रहे कांग्रेस नेता राजेंद्र भांबू को पार्टी में शामिल किया और उन्हें भाजपा का टिकट थमा दिया। इससे नाराज बबलू ने पार्टी से बगावत की और निर्दलीय चुनाव लड़ा। 2018 के चुनावों में भाजपा के राजेंद्र भांबू को जहां 35612 वोट मिले, तो निर्दलीय के तौर पर बबलू चौधरी ने भी 29410 मत प्राप्त किए। बबलू चौधरी की इस ताकत का परिणाम व अन्य समीकरणों के चलते भाजपा ने 2023 में राजेंद्र भांबू का टिकट काटा और बबलू चौधरी को थमा दिया, लेकिन बगावत जारी रही। इस बार राजेंद्र भांबू ने पार्टी से बगावत कर दी। बबलू चौधरी ने जहां एक ओर भाजपा प्रत्याशी के तौर पर 57935 वोट प्राप्त किए। तो भांबू भी कम नहीं रहे। उन्होंने 42407 वोट प्राप्त कर अपनी ताकत दिखा दी। इसी ताकत का परिणाम रहा कि अब उप चुनावों में एक बार फिर पार्टी ने राजेंद्र भांबू को अपना उम्मीदवार बना दिया है।

राजेंद्र भांबू को उप चुनावों के लिए टिकट दिया है, जिसके बाद उनके अग्रसेन सर्किल स्थित कार्यालय में जश्न का माहौल है। भांबू को टिकट मिलने की बधाई देने के लिए जिले के प्रभारी व राज्य के समाज कल्याण मंत्री अविनाश गहलोत भी उनके कार्यालय पहुंचे और बधाई दी। इस मौके पर अविनाश गहलोत ने कहा कि झुंझुनूं का उप चुनाव भाजपा बड़े अंतर से जीतेगी। इस मौके पर भाजपा नेता इंजीनियर प्यारेलाल ढूकिया, मुरारी सैनी समेत अन्य भी मौजूद रहे।

भाजपा में कांग्रेस के मुकाबले टिकट के दावेदार काफी थे। माना जा रहा था कि कांग्रेस भाजपा से पहले टिकट घोषित करेगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कांग्रेस में जहां अमित ओला, एमडी चोपदार और दिनेश सुंडा के बीच टिकट की रस्साकस्सी चल रही है। तो वहीं भाजपा में करीब एक दर्जन दावेदार थे। फिर भी भाजपा ने कांग्रेस से पहले ही टिकट घोषित की।

बीएसएफ के 567 नव आरक्षकों ने देश सेवा की शपथ ली

जोधपुर, (कासं)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सहायक प्रशिक्षण केन्द्र जोधपुर में नव आरक्षकों के बैच संख्या 253, 254 व पीटीएस-1 की दीक्षांत परेड समारोह का आयोजन शनिवार को किया गया, जिसमें 567 नव आरक्षकों ने भारतीय संविधान के प्रति कर्तव्यनिष्ठ होकर देश की एकता एवं अखंडता को कायम रखने की शपथ ली व खुद को देश के लिए समर्पित किया।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि बीएसएफ सहायक प्रशिक्षण केन्द्र के महानिरीक्षक एम.एल. गर्ग थे। उन्होंने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। मुख्य अतिथि गर्ग ने नव आरक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि आपने सीमा सुरक्षा बल में शमिल होकर चुनौतियों से लड़ने का साहसिक निर्णय लिया है। निष्ठा और इमानदारी से सौंपे गए कार्यों को पूरा करते हुए आप निश्चय ही देश को प्रथम पंक्ति में लाने में अपना विशिष्ट सहयोग अवश्य प्रदान करेंगे। आपको सीमा या आन्तरिक सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात किया जाता है तो आप आम जनता के साथ हमेशा अच्छा व्यवहार कर मानव अधिकारों का सर्वोच्च सम्मान करें व बल की गरिमा को सदा अक्षुण्ण बनाए रखें।

कमाण्डेंट (मुख्य प्रशिक्षक) देवेन्द्र सिंह ने बताया कि इन नव आरक्षकों को 44 सप्ताह के कठिन प्रशिक्षण के दौरान, शारीरिक प्रशिक्षण, ड्रिल, शस्त्र संचालन, युद्ध कौशल, सीमा सुरक्षा एवं निगरानी, आपदा प्रबंधन, साइबर सुरक्षा, विधि, योग, मानव व्यवहार व मानवाधिकार इत्यादि विषयों में प्रशिक्षित किया गया है। साथ ही इनके व्यक्तित्व को उभारने व संवारने के लिए प्रशिक्षकों ने प्रत्येक नवआरक्षक पर कड़ी मेहनत की है।

प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नव आरक्षक प्रियांशु तिवारी, बिकास बारों व योगेश सिंह महर को अपने-अपने बैच में ओवर ऑल प्रथम स्थान हासिल करने के लिए स्वर्ण पदक से अलंकृत किया गया। नव आरक्षक प्रियांशु तिवारी ने परेड का नेतृत्व किया व बेस्ट इन ड्रिल का पदक प्राप्त किया। दीक्षांत परेड समारोह के उपरांत नवारक्षकों द्वारा पारम्पारिक शस्त्र कला, विहू नृत्य दिखाया गया। सहायक प्रशिक्षण केन्द्र के कार्मिकों द्वारा थार वारियर का प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें हथियार फोटो गैलरी व प्रशिक्षुयों द्वारा तैयार किए गए मॉडलों को भी प्रदर्शित किया गया।

महिला को 11 केवी लाइन से करंट लगा, मौत

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के सीमावर्ती गांव शिमला में शनिवार दोपहर को खेत से घास लेकर लौट रही महिला को 11 केवी बिजली की लाइन के छूने से करंट लग गया। इस दौरान हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर आक्रोशित ग्रामीणों ने पावर हाउस पर शव को रखकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने बिजली विभाग से मृतका के परिजनों को आर्थिक सहायता देने व लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। घटना की सूचना पर मेहाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का मौका मुआयना कर आवश्यक जानकारी जुटाई।

ग्रामीण मंजीत लाठर ने बताया कि गांव शिमला निवासी शर्मिला (40) पत्नी सतीश कुमार अपने खेत में गई थी। जब वह पशुओं के लिए खेत से घास लेकर वापस अपने घर लौट रही थी तो रास्ते में लटक रही 11 केवी बिजली की लाइन से छू जाने से उसके करंट लग गया। इस दौरान आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग मौके पर पहुंचे तथा महिला को सामुदायिक अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर सैकड़ों ग्रामीण एकत्रित हो गए तथा महिला के शव को गांव से बने बिजली विभाग के पावर हाउस पर ले गए। इस दौरान ग्रामीणों ने बिजली विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही से हुए हादसे का आरोप लगाते हुए पावर हाउस पर तालाबंदी कर दी। इस दौरान ग्रामीणों ने शव को पावर हाउस के गेट पर रखकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने बताया कि घटना की सूचना देने के बाद भी विभाग के अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे , जिससे ग्रामीणों में आक्रोश पनप रहा है।

पेपर लीक प्रकरण में तीन हिरासत में

ब्यावर, (निसं)। एसओजी द्वारा मसूदा रोड पर हुई कार्रवाई में पेपर लीक प्रकरण से जुडे मामले में तीन संदिग्धों को जांच के लिए हिरासत में लिया है। तीनों मसूदा रोड पर किराए के मकान में साथ ही रहते थे। एक संदिग्ध ब्यावर न्यायालय में एलडीसी के पद पर कार्यरत था। दो अन्य उसके रूम पार्टनर बताये जा रहे है। एसओजी की टीम ने तीनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर जयपुर पहुंची। अपुष्ट जानकारी के अनुसार तीनों ही ब्यावर न्यायालय में कार्यरत है। बताया जा रहा है की तीनों मसूदा रोड पर किराए के मकान में साथ ही रहते थे।

डेंगू से बच्चे की मौत

अहमदाबाद के प्राइवेट अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा

डूंगरपुर, (निसं)। शहर की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहने वाले एक बच्चे की डेंगू से मौत हो गई। बच्चे का गुजरात के एक प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा था। बच्चे की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमें अलर्ट हो गई है और कॉलोनी में घर-घर सर्वे शुरू कर दिया। डूंगरपुर में डेंगू से ये दूसरी मौत हुई है, जबकि इसी महीने में पॉजिटिव केस आ चुके हैं।

सीएमएचओ डॉ. अलंकार गुप्ता ने बताया कि डूंगरपुर शहर की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के एक बच्चे का गुजरात के स्टर्लिंग अस्पताल में इलाज चल रहा था। बच्चे की रिपोर्ट डेंगू पॉजिटिव आई थी। इलाज के दौरान गत रात्रि को बच्चे की मौत हो गई। बच्चे का डूंगरपुर अस्पताल में भी इलाज चला था, लेकिन तबीयत में सुधार नहीं होने पर रेफर कर दिया गया था। परिजन शनिवार को बच्चे के शव को उसके घर लेकर आए। वहीं, सूचना पर स्वास्थ्य विभाग की टीम भी अलर्ट हो गई।

स्वास्थ्य विभाग की टीमें कॉलोनी में पहुंच गई। स्वास्थ्य विभाग ने बच्चे की हिस्ट्री लेने के बाद आस-पास के कॉलोनी में सर्वे का काम शुरू कर दिया है। सीएमएचओ ने बताया कि घर घर जाकर स्वास्थ्य टीमें लोगों की जांच कर रही हैं। वहींए बीमार लोगों को दवाइयां दी जा रही हैं। जिले में इस साल में अब तक डेंगू पॉजिटिव केस की पुष्टि हुई है।

ग्रामीणों ने चंदा इकट्ठा कर भूमि से अतिक्रमण हटाया

ग्रामीणों ने साढ़े चार बीघा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया।

भीलवाड़ा, (निसं)। नगर विकास न्यास भीलवाड़ा के नाम दर्ज करोड़ों रुपए की भूमि पर जिला कलेक्टर एवं यूआईटी सचिव के आदेश के बाद भी अधिकारियों ने अतिक्रमण नहीं हटाया। इसके बाद ग्रामीणों ने चंदा इकट्ठा कर साढ़े चार बीघा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया।

नगर निगम क्षेत्र में वार्ड नं. 56 सालरा में खसरा नंबर 2301 एवं 2303 नगर विकास न्यास भीलवाड़ा के नाम दर्ज है। जिला कलेक्टर एवं यूआईटी सचिव के निर्देश के बाद भी नगर विकास न्यास भीलवाड़ा के अधिकारियों द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाया गया। इस संबंध में समस्त ग्रामवासी वार्ड नं. 56 सालरा ने शनिवार को नगर विकास न्यास के नाम दर्ज साढ़े चार बीघा भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए चंदा इकट्ठा कर जेसीबी की सहायता से अतिक्रमण मुक्त कराया। इस दौरान माधुलाल दगोलिया, रामेश्वर गाडरी, मांगीलाल, मोतीलाल, कैलाश, बद्री, शिवराज, प्रकाश, रामेश्वर, बद्रीलाल, जमनालाल, मदनलाल, जगन्नाथ सहित समस्त ग्रामवासी सालरा मौजूद थे।

जोधपुर की 10 जोड़ी ट्रेनों के टर्मिनल स्टेशनों में आज से बदलाव

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर रेलवे स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य व अन्य परियोजनाओं के प्रगति पर होने के कारण दस जोड़ी ट्रेनों के टर्मिनल स्टेशनों में रविवार से अस्थाई बदलाव किया जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत जहां 7 जोड़ी ट्रेनें जोधपुर रेलवे स्टेशन की जगह उपनगरीय भगत की कोठी रेलवे स्टेशन से चलने लगेगी वहीं भगत की कोठी से चलने वाली 3 साप्ताहिक ट्रेनों को जोधपुर रेलवे स्टेशन से चलाया जाएगा।

उपरे के जोधपुर डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने बताया कि जोधपुर रेलवे स्टेशन पर चल रहे मेगा अपग्रेडेशन व यात्री सुविधा से जुड़े अन्य कार्यों के चलते 5 जोड़ी डेली और 5 जोड़ी वीकली ट्रेनों के टर्मिनल स्टेशनों में 20 से चरणबद्ध तरीके से अस्थाई परिवर्तन किया जा रहा है, जिसके तहत लूनी की ओर जाने वाली 7 जोड़ी ट्रेनों को जोधपुर की जगह भगत की कोठी एवं मेड़ता रोड की ओर जाने वाली 3 जोड़ी साप्ताहिक ट्रेनों को भगत की कोठी की जगह जोधपुर स्टेशन से चलाया जाएगा।

करवा चौथ का पर्व आज

अजमेर, (कासं)। सनातन हिंदू धर्म में करवा चौथ व्रत पर्व का खास महत्व है। व्रतों में इसे सबसे कठिन व्रत माना जाता है। महिलाएं निर्जला व्रत रख छलनी से चंद्रमा और फिर पति का चेहरा देखकर उनके हाथों से जल ग्रहण कर अपना व्रत पूरा करती हैं। पति की दीर्घायु की कामना करती हैं। आधुनिकता की दौड़ में करवा चौथ का पर्व फीका नहीं पड़ा है, बल्कि जीवन संगिनी के इस व्रत में अब पुरुष भी साथ निभाते हुए व्रत रख रहे हैं।

करवा चौथ के दिन चांद और पति को छलनी से देखने को लेकर यह मान्यता है कि छलनी में हजारों छेद होते हैं, जिससे चंद्रमा दर्शन करने से छेदों की संख्या जितने प्रतिबिंब दिखते हैं। उसके बाद पति को छलनी से देखा जाता है तो पति की उम्र भी उतनी ही गुना बढ़ जाती है, इसलिए करवा चौथ के व्रत में चंद्रमा और पति को देखने के लिए छलनी का इस्तेमाल किया जाता है। मान्यता है कि इस विधि के बिना यह व्रत अधूरा होता है।

सुहागिन स्त्रियां पति की दीर्घायु के लिए श्रद्धा एवं विश्वास के साथ रविवार को करवा चौथ का व्रत रखेंगी। पौराणिकता के साथ-साथ इसमें आधुनिकता का भी प्रवेश हो चुका है और अब यह त्योहार भावनाओं पर केंद्रित हो गया है। बदलते दौर में पत्नियों के साथ पति भी अपने सफल दांपत्य जीवन के लिए करवा चौथ व्रत का पालन करने लगे हैं। करवा चौथ का पर्व आस्था और विश्वास से जुड़ा है। बदलते वक्त, समय और समाज का प्रभाव इस पर भी पड़ा है। दिन ब दिन इस पर्व की चमक-दमक बढ़ती ही जा रही है। आधुनिक के दौर भी इस परंपरा को डिगा नहीं सका है, बल्कि इसमें अब ज्यादा संवेदनशीलता, समर्पण और प्रेम की अभिव्यक्ति दिखाई देती है। इस व्रत में चंद्रमा को छलनी में देखने का विधान इस बात की ओर इंगित करता है कि पति-पत्नी एक-दूसरे के दोष को छानकर सिर्फ गुणों को देखें जिससे कि दांपत्य के रिश्ते प्यार और विश्वास की डोर से मजबूती के साथ बंधे रहे। आचार्य पंडित पवन शर्मा ने बताया कि इस वर्ष कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 20 अक्टूबर दिन रविवार को सुबह 6 बजकर 46 मिनट से शुरू होगी और 21 अक्टूबर को सुबह 4 बजकर 16 मिनट तक रहेगी। पूजा का शुभ मुहूर्त 20 अक्टूबर शाम 5:46 मिनट से लेकर शाम 7:02 मिनट तक रहेगा, इस समय पूजा करना बहुत ही शुभ रहेगा।

आगामी त्योहार को लेकर फ्लैग मार्च निकाला

भीलवाड़ा, (निसं)। आगामी त्योहार सहित एरिया डॉमिनेशन को लेकर भीलवाड़ा की जिला पुलिस हाई अलर्ट मोड पर है। इसके तहत एड. एसपी पारस जैन के नेतृत्व में पुलिस द्वारा औचक फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च भीलवाड़ा शहर के सिटी कंट्रोल रूम से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए शास्त्री नगर स्थित सूर्य महल के निकट जाकर संपन्न हुआ। एड. एसपी जैन ने बताया कि भीलवाड़ा एसपी धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन में एरिया डॉमिनेशन को लेकर भीलवाड़ा शहर में फ्लैग मार्च निकाला गया है। इस दौरान शहर के दोनों सीओ, थाना अधिकारी व जाप्ता सहित पुलिस लाइन का अतिरिक्त पुलिस बल मौजूद रहा। फ्लैग मार्च के दौरान हमने बिना नम्बरी गाड़ी, काले शीशे वाली गाड़ी और डाउट फुल लोगों पर कारवाई की है। इस फ्लैग मार्च में अच्छी सफलता हासिल हुई हैं। आमजन को हमने संदेश दिया है कोई भी आपराधिक गतिविधिया या छेड़छाड़ करता मिला तो उसे बख्शा नहीं जायेगा।

माली समाज व ग्रामीणों का प्रदर्शन आज

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के नजदीक माण्डल तहसील के ग्राम रणिकपुरा में एक माली परिवार के बाड़े में अज्ञात लोगों द्वारा लगाई आग में हुए नुकसान की भरपाई व गोवंश को जलाने के प्रयास को लेकर पुलिस व प्रशासन द्वारा अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने के कारण ग्रामीणों व माली समाज में जबरदस्त रोष व्याप्त है।

माली (सैनी) महासभा के जिलाध्यक्ष भैरूलाल माली ने बताया कि रणिकपुरा ग्राम में आगजनी को लेकर प्रशासन द्वारा अब तक कोई कार्यवाही नहीं करने को लेकर समाज व ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। इसी कारण 21अक्टूबर, सोमवार प्रात: 11 बजे सैकड़ों ग्रामीणों व माली समाज द्वारा कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर व जिला पुलिस अधीक्षक को कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा जायेगा।

भारत को शिक्षा का केंद्र बनाने के लिए हर कोई आहुति दे : उपराष्ट्रपति धनखड़

उपराष्ट्रपति ने एज्यूकेशन संस्थाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की सलाह दी

सीकर, (निसं)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत पूरी दुनिया में ज्ञान का केंद्र था। 19वीं शताब्दी में स्वामी विवेकानंद ने भारत में शिक्षा के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि भारत को शिक्षा का केंद्र बनाने के लिए हर कोई अपनी आहुति दे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शनिवार को शोभासरिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सिल्वर जुबली एनूअल फंक्शन में सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उन्होंने वर्तमान में एज्यूकेशन संस्थाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की सलाह दी। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि मेरी मान्यता है कि शिक्षण संस्थाओं को आर्थिक रूप से संबल होना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम में तकनीकी शिक्षा में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले साक्षी अग्रवाल, आदित्य शर्मा, किर्ति जैन, सरिता ढाका, अजय नरेरा, अभिलाषा शर्मा, अमन अली को चैक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में तकनीकी एवं उच्च शिक्षा उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन की सरकार लगातार विकास पथ पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रभावशाली तरीके से लागू करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। बैरवा ने कहा कि आज तकनीकी शिक्षा का महत्व बहुत बढ़ा है एवं वर्तमान चुनौतियां जैसे जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा संकट, तकनीकी असमानताओं को आज की हमारी नवाचार एवं तकनीकी रूप से सशक्त पीढ़ी ही उभार सकती है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य, कृषि, सेवा एवं परिवहन सहित विभिन्न क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का महत्व बढ़ा है। उन्होंने नैनो तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा को बढ़ाने के लिए हमारी राज्य सरकार ने राष्ट्रीय आईआईटी संस्थानों की तर्ज पर तीन आईआईटी एवं 10 पॉलिटेक्निकल कॉलेज राजस्थान में खोलने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने तकनीकी शिक्षा को उभरती हुई तकनीकियों के साथ जोड़कर शिक्षा को नवाचार एवं गुणवत्तापूर्ण बनाया है। समारोह में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि आने वाला समय तकनीकी विद्यार्थियों के लिए बहुत सुनहरा होगा।

कार्यक्रम से पूर्व तारपुरा हवाई पट्टी पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड के पहुंचने पर नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा, पुलिस उप महानिरीक्षक सत्येन्द्र सिंह, जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा, पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण यादव ने अगवानी की।

कार्यक्रम में पद्मश्री प्रहलाद अग्रवाल, चैयरमेन शोभासरिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, डॉ. घनश्याम अग्रवाल, कुंज बिहारी अग्रवाल, वाईस चैयरमेन जीपी अग्रवाला, ग्रुप प्राचार्य डॉ. एल सौलंकी, शोभासरिया कॉलेज प्राचार्या हर्षिता गर्ग, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, पूर्व सांसद सीकर स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, भाजपा जिला अध्यक्ष कमल सिखवाल, सुरेश अग्रवाल, पन्नालाल सारडा, कांताप्रसाद मोर, जगदीश चौकडीका, सीए सुनील मोर सहित सोभासरिया इंजीनियरिंग महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं, जन प्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।